B.A. Part II / Paper IV   Lecture no-12.

Dr. Sunita Kumari
Assistant Professor
Marwari college Darbhanga.

Topic — सामाजिक अनुसंधान का महत्व या उपयोगिता (Importance or Utility of social Research)

सामाजिक अनुसंधान के निम्नलिखित महत्व है जिनका वर्णन हम इस प्रकार कर सकते हैं—

1.) अज्ञानता को दूर करना (Removal of Ignorance) — इसके द्वारा सामाजिक घटनाओं के संदर्भ में अज्ञानता को दूर करना सम्भव होता है यह सामाजिक घटनाओं, पारिवारिक विघटन, जातिवाद आदि के बारे में वैज्ञानिक ज्ञान प्रदान करता है। J.C. Merriam के अनुसार "आज हम जिन कठिनाइयों का सामना करते हैं उनमें से अधिकतर अज्ञान के कारण हैं। इन परिस्थितियों का उपचार नवीन ज्ञान में निहित है।"

2) सामाजिक प्रगति में सहायक (Helpful in Social Progress) — समाज, राष्ट्र व विश्व के बहुमुखी विकास के संदर्भ में सामाजिक अनुसंधान बहुत महत्वपूर्ण है। इसके आधार पर वर्तमान स्थिति की जानकारी मिलती है जाव

Scanned by CamScanner

DATE: PAGE:

ही परिवर्तन को नियोजित कर प्रगति को दिशा दी जाती है।

3) सामाजिक नियंत्रण में सहायक (Helpful in social control) - सामाजिक अनुसंधान सामाजिक नियंत्रण में भी काफी सहायक सिद्ध होता है। विकासशील समाज में परिवर्तन की गति बहुत ही तीव्र होती है। इसके कारण व्यक्ति व समाज के व्यवस्थित संबंधों में असंतुलन होने लगता है। यदि परिवर्तन के बारे में सामाजिक अनुसंधान के द्वारा पूर्व में ही ज्ञात हो जाए तो अवांछित परिवर्तन पर नियंत्रण लगाकर समाज व्यवस्था में संतुलन बनाए रखा जा सकता है।

4) नवीनतम ज्ञान की प्राप्ति (Acquiring New knowledge) - सामाजिक अनुसंधान के द्वारा नवीन ज्ञान की प्राप्ति होती है। इसमें एक ओर यदि मानव की ज्ञान पिपासा शान्त होती है वहीं दूसरी ओर प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। हेरिंग के अनुसार "अनुसंधान का उद्देश्य इकाई ज्ञान के भण्डार में नवीन ज्ञान को जोड़ना है।"

5) समाज कल्याण में सहायक (Helpful in Social welfare) - हमारे समाज में पिछड़े व असहाय लोगों की अपनी-अपनी विशेष समस्याएं एवं

कठिनाइयों है किस दिशा में बिना वैज्ञानिक ज्ञान व अनुभव के इन कार्यों का आयोजन व संचालन सम्भव नहीं है। इस नजर से भी सामाजिक अनुसंधान समाज कल्याण में सहायक सिद्ध होता है

6) सामाजिक समस्याओं का वैज्ञानिक अध्ययन (Scientific Study and Analysis of Social Problem) - हमारे भारत देश में निर्धनता, बेरोजगारी, अपराध, वेश्यावृत्ति आदि समस्याएं आज भी मौजूद हैं सामाजिक अनुसंधान की सहायता से इनका वैज्ञानिक अध्ययन सम्भव है।

7) भविष्यवाणी करने में सहायक (Helpful in Prediction) - इसके द्वारा तथ्य ज्ञान के आधार पर सामाजिक घटनाओं की दिशा के संदर्भ में भविष्यवाणी की जा सकती है यद्यपि कि देखा जाए तो सामाजिक घटनाएं बहुत अधिक गतिशील होती हैं इसके बावजूद भी आधुनिकतम प्रविधियों व सिद्धांतों की मदद से कुछ सीमाओं के निकट भविष्य के बारे में भविष्यवाणी की जाती है

उपर्युक्त विवरणों से स्पष्ट होता है कि सामाजिक अनुसंधान का एक विशेष महत्व है इसकी इसी महत्ता के कारण सभी समाजों

में महत्वपूर्ण विषयों पर सामाजिक अनुसंधान किये जा रहे हैं। अगर देखा जाए तो भारत जैसे विकासशील देश में इसका महत्व ज्यादा है।

Sumita Kumari
22/4/20

Scanned by CamScanner